

अपखण्ड अधिकारी (राजस्व) भादरा
संख्या 5-9 cpc Act नं० 07/13.06.18
पुकारा गावरा
किरसन आदि
साल 2018

तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनीशियल जल

नम्बर व तारीख फर्द
अहकाम की हुकम की
तामील जारी हुआ

13/6/2018

आज यह प्रकरण जारिसे वकील वादी की ओर से पेश किया गया। रिपोर्ट सिग्नेदार होने के बाद प्रकरण दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगण को जारिसे सम्मान तलब किया जाकर पत्रावली दिनांक 09.07.2018 को पेश है।

[Signature]

7/18

वकील वादी/प्रतिवादी/प्राथी/अप्राथी उप.
पत्रावली गत आदेशानुसार वास्ते...
दिनांक 6/8/18 को पेश हो।

[Signature]

6/8/18

वकील वादी/प्रतिवादी/प्राथी/अप्राथी उप.
पत्रावली गत आदेशानुसार वास्ते...
दिनांक 6/9/18 को पेश हो।

[Signature]

6/9/18

पत्रावली पेश हुई बार सघं का कार्य स्थगित है। गत आदेशानुसार पत्रावली दिनांक 25/10/18 को पेश हो।

[Signature]

10/18

वकील वादी/प्रतिवादी/प्राथी/अप्राथी उप.
पत्रावली गत आदेशानुसार वास्ते...
दिनांक 6/12/18 को पेश हो।

[Signature]

12/18

पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी... में जानरथ दिनांक 30/11/18 को पेश हो।



15/24

पत्रावली फेर दुई वकीलवादी उपस्थित।
पत्रावली वाले अफत किनाह 03/06/24
को फेर को *[Signature]*

30/24

पत्रावली फेर दुई वकीलवादी उपस्थित।
वकीलवादी ने अफत किनाह कि उमर
प्रार्थना पत्र अनवार 728/2002
निर्णय/आदेश किनाह 05/05/2011
को रेस्टोर उरवार हेतु फेरद किनाह
पत्रावली अधिवक्ता ने निर्णय किनाह
उपरोक्त वार में पंखीर अधिवक्ता की
दिगानी हालत भी होकर घट में
लापस होने के कारण अधिवक्ता पेंची
नहीं उर मजरी और न्यायालय द्वारा
किनाह 05/05/2011 को हलकी के अभाव
में रवारीज उर किनाह पत्रावली अहः
प्रार्थना पत्र पत्रावली कीनाह किनाह
वार म० 728/2002 को पुनः
रेस्टोर उर पुनवारि का अवसर किनाह
जाने का निर्णय किनाह

अधिवक्ता पत्रावली की वरत मुनी
जाकर व पत्रावली का अवसर किनाह
अपनी प्रार्थना पत्र 1st CPC में वरिह
वार हवारीज अभाव किनाह आरि
मु० न० 728/2002 को न्यायालय
द्वारा किनाह 05.05.2011 को
हलकी के अभाव में रवारीज किनाह
अपनी पत्रावली द्वारा पत्रावली में
पेंचीर अधिवक्ता के 30/7/2013 से
[Signature]

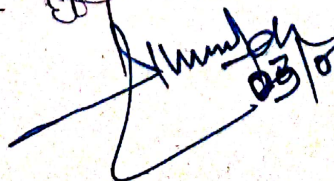
तारीख हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इन्जीनियर जज

नम्बर २
फर्द अर
हुकम की
जारी

भाषणा होने के उपरान्त भारतीय
न्यायालय नियमित न्यायाधिकार भारत
द्वारा अधीनस्थ किया गया है। प्राचीन
द्वारा भी उक्त प्राचीन फर 151 व 2
दिनांक 13/6/2018 को न्यायालय
द्वारा में पेश किया गया है जो
पञ्जाबी स्वामी के लगभग 7 वर्षों
द्वारा पेश किया गया है।

अतः उपरोक्त विवेचानुसार व
पञ्जाबी में पेश रहने वाले को जो
ध्यानपूर्वक भवतो इन इतने पर
पेश किया है कि प्राचीन द्वारा ऐसे
दिनांक की अधिसूचना में नहीं करण
गया है जिस पर न्यायालय में पेश
सिद्ध इतने कि बार स्वामी में
प्राचीन को अनुमान हो रहा है। अतः
प्राचीन फर प्राचीन अधीनस्थ द्वारा 151 व 2
दिनांक को नहीं होने के कारण
श्री मूर पर स्वामी किया
जाएँ। पञ्जाबी नियमित सुमार
द्वारा नम्बर में 5 म की जाण्ड
द्वारा इतने है।


03/06/24